B.J.C.

PGCMHT

मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम
(पी.जी.सी.एम.एच.टी.)

सत्रीय कार्य
2018

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम

(पी.जी.सी.एम.एच.टी.)

सत्रीय कार्य 2018

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि 'मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम' (पी.सी.एम.एच.टी.) की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है कि इस अध्ययन कार्यक्रम में पढ़ाई के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। चार पाठ्यक्रमों वाले इस कार्यक्रम के तीन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आपको एक–एक सत्रीय कार्य करना होगा और चौथा पाठ्यक्रम 'अनुवाद परियोजना' से संबंधित है। सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ करें। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य आप अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग प्रस्तुत कर सकते हैं और एक साथ भी प्रस्तुत कर सकते हैं! सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम कोड एवं शीर्षक	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2018 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2018 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी.–001 भारतीय भाषाओं में अनुवाद	31.03.2018	30.09.2018
एम.टी.टी.-004 मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन	31.03.2018	30.09.2018
एम.टी.टी.–005 मलयालम–हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद	31.03.2018	30.09.2018

उद्देश्य : प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत आपको भारतीय भाषाओं में अनुवाद, मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन के साथ–साथ इन भाषाओं के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद का अभ्यास कराया गया है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद कार्य में उसे व्यवहार में लाते हुए अच्छा अनुवाद कर सकें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।

2) प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके तीन सत्रीय कार्यों के लिए तीन उत्तर–पुस्तिकाएँ होनी चाहिए।

3) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर अपना नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें।

4) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक :	नामांकन संख्या : ....
	नाम : ....
	पता : ....
	....
पाठ्यक्रम कोड :........................	
पाठ्यक्रम का शीर्षक :	
सत्रीय कार्य कोड :	हस्ताक्षर :........................
अध्ययन केंद्र का नामः	तिथि : ....

---

5) पाठ्यक्रम के कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। बायीं ओर 4 सें.मी. का हाशिया छोड़ दें। एक उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

- सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर लिखिए। व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर समुचित कोशों का उपयोग करते हुए प्रसंग और संदर्भानुसार देने हैं।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। सत्रीय कार्य जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण बातों को नोट कर लें, फिर उनको व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ।
- जब आपको विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं संतोषजनक हैं, तब उन्हें साफ–साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।
- अनुवाद के व्यावहारिक प्रश्नों को करते समय 'कोश' का भरपूर प्रयोग करें। विषय एवं संदर्भ का विशेष ध्यान रखें। मलयालम और हिंदी के कथनों की तुलना करें। यह देखें कि अनुवाद से वही अर्थ निकल रहा है जो मूल सामग्री से निकलता है। यह भी सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद लक्ष्य भाषा की उपयुक्त शैली के अनुरूप है, स्रोत भाषा की छाया मात्र नहीं। अनुवाद में मूल लेखन की–सी सहजता लाने के लिए अपनी कल्पनाशीलता और लेखन–क्षमता का उपयोग करें।
- निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षेप में होनी चाहिए। इसमें यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर सुसंगत और सुसंबद्ध हों। वाक्यों और अनुच्छेदों में परस्पर तालमेल होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न में निहित सभी मुख्य बातों के उत्तर शामिल किए हैं।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपके उत्तर तार्किक और सुसंगत हों।

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो।

ग) उत्तर सही ढंग से लिखे गए हों तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुकूल हो।

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबे न हों।

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

च) उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न करें। अपने उत्तर को विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल न करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

छ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें, यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

ज) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग-अलग लिखें।

झ) प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

ञ) सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अध्ययन केंद्र के पास भेज दें। अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका को किसी भी स्थिति में मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।

ट) अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से (सत्रीय कार्य प्राप्त किए) प्राप्ति दर्ज करा लें।

ठ) यदि आपने क्षेत्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाए।

शुभकामनाओं के साथ,

भारतीय भाषाओं में अनुवाद (एम.टी.टी–001)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2018

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी–001
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए।

1. प्रमुख भारतीय भाषा–परिवारों का परिचय दीजिए और भारतीय भाषाओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10
2. बहुभाषी समाज में अनुवाद के विविध क्षेत्रों का परिचय दीजिए। 10
3. बहुभाषिकता के हानि–लाभ को लेकर बहस के विविध आयामों पर विचार कीजिए। 10
4. भारतीय भाषाओं की शब्दावली संबंधी समानताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10
5. वाक्य के प्रमुख लक्षणों का विश्लेषण कीजिए। 10
6. भारतीय भाषाओं की साहित्यिक प्रवृत्तियों और काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 10
7. भाषिक प्रक्रिया के रूप में अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 10
8. आशु अनुवाद की उपयोगिता, सीमाओं और संभावनाओं पर विचार कीजिए। 10
9. मशीनी अनुवाद की अवधारणा, प्रक्रिया और विधियों की चर्चा कीजिए। 10
10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5x2=10

    (क) अनुवाद का पुनरीक्षण
    (ख) अनुवाद में स्रोत और लक्ष्य भाषा की समतुल्यता

मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन (एम.टी.टी.–004)

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–004
सत्रीय कार्य : एम.टी.टी.–004 / एएसटी / (टी.एम.ए.) / 2018

अधिकतम अंक : 100

पूर्णांक 100

1 निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग तीन सौ शब्दों में दीजिए ।

(क) मलयालम और हिंदी की कारक व्यवस्था की तुलना कीजिए ।

(ख) मलयालम और हिंदी की वर्णमालाओं की तुलना कीजिए ।

2 निम्नलिखित मलयालम शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

1) മാടപ്രാവ്
2) ചെന്നായ്
3) ചവിട്ടം
4) തക്കൽക്കാരൻ
5) ഭൂരിപക്ഷം
6) പ്രവൃത്തിസമയം
7) ഗതാഗതം
8) വിശ്വസ്തനായ
9) നനന്ന
10) ചരിത്രം

11) വിശപ്പ്
12) കാവൽ
13) ലഹരി
14) ഉറുമ്പ്
15) കണ്ണിടപാട്
16) ഭേദഗതി
17) ഇഞ്ചി
18) പിതൃസഹോദരി
19) ഋതുകാലം
20) കടലാസ്

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों के मलयालम पर्याय बताइए। 5

1) तलवार
2) विज्ञान
3) मूर्ति
4) अनुशासन हीनता
5) महँगा
6) कहावत
7) हैजा
8) दिमाग
9) नाला
10) सुस्त
11) बंदरगाह
12) आरक्षण
13) भानजा
14) मौसम
15) छाता
16) तितली
17) कटहल
18) चबौड़ा
19) चम्मच
20) खाँसी

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 20

1) നാം നമ്മുടെ രാജ്യത്തെ സ്നേഹിക്കണം.

2) മഴ തുടങ്ങിയപ്പോൾ ഞാൻ മൈതാനത്തിലായിരുന്നു.

3) മുകളിലത്തെ മുറിയിൽ ഉറങ്ങുന്ന ആൾ ആരാണെന്ന് നിങ്ങൾക്കറിയാമോ?

4) ഓടുന്ന വണ്ടിയിൽ നിന്ന് ഇറങ്ങരുത്.

5) നിങ്ങൾ മരുന്നു കഴിച്ചില്ലെങ്കിൽ രോഗം മാറുകയില്ല.

6) കത്ത് വായിച്ചിട്ട് ~~[illegible]~~ അച്ഛന് വളരെ സന്തോഷമായി.

7) തിരഞ്ഞെടുപ്പിനു ശേഷം പുതിയ സർക്കാർ രൂപീകരിക്കപ്പെട്ടു.

8) മഹാബലിയുടെ ഭരണകാലത്ത് മോഷണമോ ചതിയോ ഉണ്ടായിരുന്നില്ല.

9) നല്ല കുട്ടികൾ ഗുരുജനങ്ങളെ ബഹുമാനിക്കുന്നു.

10) അമ്മൂമ്മക്ക് വേഗം നടക്കാൻ കഴിയുകയില്ല.

11) ദിവസവും എട്ടുമണിക്ക് വരുന്ന വണ്ടി ഇന്ന് ഒൻപതേമുക്കാൽ മണിക്ക് വന്നു.

12) മോഹനന്റെ കയ്യക്ഷരം വളരെ നല്ലതാണ്.

13) നേതാവിന്റെ വാക്കുകൾ കേട്ട് ജനങ്ങൾ കയ്യടിച്ചു.

14) ലത പാട്ടു പാടിയപ്പോൾ കുട്ടികൾ നൃത്തം വച്ചു.

15) ഡോക്ടർ നാളെ വരികയില്ലെന്ന് ആര് പറഞ്ഞു?

16) കഥ തുടക്കം മുതൽ അവസാനം വരെ വളരെ രസകരമായിരുന്നു.

17) ലോകത്തിൽ വച്ച് വളരെ ഉയർന്ന ശിഖരമാണ് എവറസ്റ്റ്.

18) താങ്കൾ വന്നതിനു ശേഷമേ പരിപാടി തുടങ്ങുകയുള്ളൂ.

19) കേരളത്തിൽ കുരുമുളക്, ഗ്രാമ്പ്, ഏലം എന്നിവ കൃഷി ചെയ്യപ്പെടുന്നു.

20) താങ്കൾ തകഴിയുടെ 'കയർ' എന്ന നോവൽ വായിച്ചിട്ടുണ്ടോ?

5 (क) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों का आशय हिंदी में स्पष्ट कीजिए। 10

1) തടി തപ്പുക
2) ഒഴിവുകഴിവു പറയുക
3) താളത്തിനൊന്നു തുള്ളുക
4) സ്വന്തം കാലിൽ നിൽക്കുക
5) മാറ്റുരച്ചു നോക്കുക
6) മരമില്ലാത്ത നാട്ടിൽ ആവണക്ക് മഹാമരം
7) കയ്യൂക്കുള്ളവൻ കാര്യക്കാരൻ
8) മുറിവൈദ്യൻ ആളെക്കൊല്ലും.
9) വിതച്ചത് കൊയ്യും
10) തിരുമുണ്ടത്തിലെ പുകയുരുട്ട്.

(ख) निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के लिए हिंदी लोकोक्तियाँ/मुहावरे लिखिए। 10

1) കണ്ണു തട്ടിക്കുക
2) കഷ്ടിച്ച് രക്ഷപ്പെടുക
3) ആകാശക്കോട്ട കെട്ടുക
4) ഉന്മൂലനം ചെയ്യുക
5) തക്കം പാർത്തിരിക്കുക.

6) ഒരു വെടിക്ക് രണ്ട് പക്ഷി

7) കുരയ്ക്കും പട്ടി കടിക്കില്ല.

8) കക്കാൻ പഠിച്ചാൽ നിൽക്കാനും പഠിക്കണം.

9) വെള്ളമൊഴുകി കഴിഞ്ഞിട്ട് ചിറ കെട്ടിയിട്ട് എന്ത് കാര്യം?

10) ഇടി വെട്ടിയവനെ പാമ്പു കടിക്കുക.

6. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10 × 2 = 20

എഴുത്തിന്റെ ആരംഭം എന്നായിരുന്നു? എങ്ങനെയായിരുന്നു? എഴുത്തില്ലാത്ത കാലത്തിന്റെ കഥ എങ്ങനെയറിയും? മണ്ണിനടിയിലും ആൾപ്പെരുമാറ്റമില്ലാത്ത പാറപ്പൊത്തുകളിലും മറ്റും അറിയപ്പെടാതെ കിടന്ന പഴയ വസ്തുക്കളെ അടിസ്ഥാനപ്പെടുത്തിയാണ് പ്രാചീനമനുഷ്യന്റെ ജീവിതത്തെപ്പറ്റി തുച്ഛമെങ്കിലും വിലപ്പെട്ട അറിവു കിട്ടുന്നത്. പുരാതത്വം എന്ന പേരിൽ അതിപ്രധാനമായ ഒരു വിജ്ഞാനശാഖതന്നെ രൂപപ്പെട്ടുവന്നത് പഴയ വസ്തുക്കളെ ഖനനംചെയ്തെടുത്തു പഠിച്ചുകൊണ്ടാണ്. കന്മഴുകൾ, കലപ്പാത്രങ്ങൾ, പണിയായുധങ്ങൾ, ആഭരണങ്ങൾ, മനുഷ്യന്റെയും മൃഗങ്ങളുടെയും അവശിഷ്ടങ്ങൾ എന്നിങ്ങനെ അതിവിപുലമാണ് പുരാവസ്തുക്കളുടെ ലോകം. പുരാവസ്തുക്കളുടെ വിജ്ഞാനം നേടിയവരെ പുരാതത്വജ്ഞന്മാർ എന്നു പറയുന്നു. പുരാവസ്തുക്കൾ ഒട്ടുമുക്കാലും പൊട്ടിത്തകർന്ന നിലയിലാണ് കൈയിൽ കിട്ടുക. പുരാതത്വജ്ഞർ അവയെ കരുതലോടെ കൂട്ടിച്ചേർത്ത് പഴയ രൂപത്തിലാക്കും. പഠനം കഴിഞ്ഞ് അത്തരം വസ്തുക്കൾ കാഴ്ചബംഗ്ലാവുകളിൽ സംരക്ഷിച്ച് പ്രദർശിപ്പിക്കും. അവ പിന്നീടുവരുന്നവർക്ക് ഉപയോഗിക്കാൻ കഴിയും. നാട്ടിൽ പുരാതത്വജ്ഞന്മാർ കണ്ടെത്തിയ ചില വസ്തുക്കളുടെ സഹായത്താലാണ് അതിപ്രാചീനകാലത്ത് മനുഷ്യർ തമ്മിൽ ആശയവിനിമയം നടത്തിയതിന്റെ അടയാളങ്ങൾ അറിയപ്പെട്ടത്.

മാർത്താണ്ഡവർമ്മയെ തുടർന്ന് തിരുവിതാംകൂറിൽ സിംഹാസനാരോഹണംചെയ്ത രാമവർമ്മ ധർമ്മരാജാവ് ഒരുയുദ്ധകുതുകി ആയിരുന്നില്ല. രാജ്യത്തിന്റെ വിസ്തീർണ്ണം വർദ്ധിപ്പിക്കണമെന്ന് ആഗ്രഹം ഉണ്ടായിരുന്നുവെങ്കിൽകൂടി രാജ്യത്തിനകത്ത് സമാധാനവും പരിഷ്കാരവും കൈവരുത്തുന്നതിലായിരുന്നു അദ്ദേഹത്തിന്റെ ശ്രദ്ധ കൂടുതലായി പതിഞ്ഞത്. പക്ഷേ, സംഭവഗതികൾ തിരിഞ്ഞാണ് ഉണ്ടായത്. കൊച്ചിരാജ്യം അപ്പോഴും മിക്കവാറും സാമൂതിരിയുടെ കൈവശത്തിലായിരുന്നു. അതെങ്ങനെയും വീണ്ടെടുത്തുകൊടുക്കണമെന്നുള്ള അപേക്ഷയുമായി പാലിയത്തു കോമിയച്ചൻ തിരുവനന്തപുരത്തുവന്നു. 1761 അവസാനത്തിൽ അതിന്റെ അടിസ്ഥാനത്തിൽ കൊച്ചിയുമായി തിരുവിതാംകൂർ ഒരു സന്ധിയിൽ ഏർപ്പെട്ടു. കൊച്ചിരാജ്യത്തു നിന്നും സാമൂതിരിയെ തുരത്താനായി തിരുവിതാംകൂർ പട്ടാളത്തെ അയച്ചു കൊടുക്കണമെന്നും, പകരം കരപ്പുറത്തിന്റെമേലുള്ള സർവ്വ അവകാശങ്ങളും കൊച്ചിരാജാവ് വിട്ടുകൊടുക്കാമെന്നും, ആലങ്ങാടും പറവൂരും തിരുവിതാംകൂറിനു നൽകാമെന്നുമായിരുന്നു ആ ഉടമ്പടിയിൽ പ്രധാനമായി വ്യവസ്ഥചെയ്തിരുന്നത്. കൊച്ചിയുടെ വകയല്ലാത്ത ഏതെങ്കിലും സ്ഥലങ്ങൾ സാമൂതിരിയിൽ നിന്നും തിരുവിതാംകൂർ സൈന്യം കൈവശപ്പെടുത്തിയാൽ ആ വക സ്ഥലങ്ങൾ തിരുവിതാംകൂർ രാജ്യത്തോടു ചേർക്കുന്നതിനും കൊച്ചി സമ്മതിച്ചു.

7. निम्नलिखित अनुच्छेद का मलयालम में अनुवाद कीजिए। 10

इन दिनों अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस में जोरों की बहस हो रही है कि 'इंटरनेट' के बढ़ते हुए प्रभाव के कारण क्या समाचार पत्रों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा? स्थिति बहुत कुछ वैसी ही है जब 50 और 60 के दशक में अमेरिका में टेलीविजन का प्रसार हुआ था और धीरे-धीरे घर-घर टेलीविजन पहुंच गया था। टेलीविजन अमेरिका में उन दिनों भी 24 घंटे प्रसारित हुआ करता था और हर घंटे पर ताजा समाचार देता था।

शुरू में तो लोगों ने यह महसूस नहीं किया कि टेलीविजन से समाचार पत्र उद्योग को कोई खतरा होगा परंतु धीरे-धीरे जब विज्ञापन अखबारों से हटकर टेलीविजन में जाने लगे, तब उन उद्योगपतियों को जो समाचारपत्र प्रकाशित करते थे, भारी चिंता होने लगी परंतु बाद के वर्षों में लोगों ने अपने अनुभव से यह देखा कि टेलीविजन का महत्व तो अवश्य है परंतु विस्तृत समाचारों के लिये समाचारपत्रों का भी महत्त्व है। अतः टेलीविजन के कारण बहुत अधिक समाचारपत्र बंद नहीं हुए। आज अमेरिका

मलयालम–हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद (एम.टी.टी.–005)

(जनवरी 2018 और जुलाई 2018 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–005
सत्रीय कार्य : एम.टी.टी.–005 / एएसटी / (टी.एम.ए) / 2018

अधिकतम अंक : 100

पूर्णांक 100

1. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

1) സാഹിത്യഭാഷ എന്ന നിലയിൽ മലയാളം
പ്രശസ്തി നേടുന്നത് ഒൻപതാം ശതകത്തിന്
ശേഷമാണ്.

2) ആവശ്യപ്പെട്ട കടലാസുകൾ പെട്ടിയിൽ വച്ചിട്ടുണ്ട്.

3) പണ്ടുപണ്ട് മനുഷ്യർ ഗുഹകളിലെ കൽചുമരു
കളിലാണ് എഴുതിയിരുന്നത്.

4) സംസ്കാരത്തിന്റെ ആട്ടുതൊട്ടിലാണ് സിന്ധു
നദീതട സംസ്കാരം.

5) ഈ സമിതി താഴെ പറയുന്ന കാര്യങ്ങളിലും
അഥവാ സമിതി ആവശ്യമെന്നു കരുതുന്ന
വിഷയങ്ങളിലും ശുപാർശകൾ നൽകുന്ന-
തായിരിക്കും.

6) ചരിത്രകാലത്തിന് എത്രയോ മുമ്പുതന്നെ
ബാലിയിൽ ഒരു കാർഷിക സംസ്കാരം
തഴച്ചു വളർന്നിരുന്നു.

7.) ജീവികളുടെ ഇടയിൽ മനുഷ്യനു മാത്രമേ
സ്വന്തം ശരീരത്തെ കുറിച്ചു ബോധമുള്ളൂ.

8) ഈ മ്യൂസിയത്തിൽ പ്രവേശിക്കുമ്പോൾ ആദ്യം കാണുന്ന കാഴ്ച ശിലാപ്രതിമകളുടെ ലോകമാണ്.

9) മലയാളിയെ അക്ഷരത്തിന്റെയും വായനയുടെയും ലോകത്തിലേക്ക് നയിച്ചത് പി.എൻ. പണിക്കരാണ്.

10) ശാസ്ത്രീയ പാട്ടുരചയിതാക്കളിൽ ഏറ്റവും പ്രശസ്തൻ [illegible] കുട്ടി[illegible]രാണ്.

2. निम्नलिखित शब्दों के मलयालम और हिंदी पर्याय लिखिए 5

शब्द	मलयालम पर्याय	हिंदी पर्याय
1) आलोचना		
2) संभव		
3) अवकाश		
4) कल्पना		
5) सम्मान		
6) अवधि		
7) विषम (पु)		
8) अनुवाद		
9) राजी		
10) व्यसन		
11) शिक्षा		
12) दोह (पु)		
13) आक्षेप		

14) कल्याण

15) मति

16) तात्पर्य(स)

17) संभावना

18) उपन्यास

19) आधार

20) समाधान

3. कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके मलयालम और हिंदी के समान पर्याय प्रचलित हैं, उदाहरण के लिए

उर्दू पर्याय	मलयालम	हिंदी
रहम	दया	दया

नीचे ऐसे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनके मलयालम और हिंदी पर्याय बताइए 5

उर्दू पर्याय

1) मिसाल

2) आबादी

3) तकलीफ़

4) तारीफ़

5) इंतज़ार

6) दुआ

7) हुकम

8) खैरियत

9) खबर

10) मंजूरी

11) शुरुआत

12) दौलत

13) कोशिश

14) मेहमान

15) लायक

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 7×10 = 70

1) ഇപ്പോൾ പാക്കിസ്ഥാനിൽ പെട്ട സിന്ധ് ദേശത്ത് ഹരപ്പ എന്ന സ്ഥലത്തു നിന്ന് മേജർ ജനറൽ ക്ലാർക്ക് എന്നൊരാൾ അപൂർവമായൊരു വസ്തു കണ്ടെടുത്തു. ഒരുതരം മൃദുശിലകൊണ്ടുള്ള ചെറുചതുരക്കട്ട. അതിന്മേൽ വലത്തോട്ടു മുഖമായി നിൽക്കുന്ന കാളയുടെ രൂപം, അതിനു മുകളിൽ ആറു ചിഹ്നങ്ങളടങ്ങിയ ഒരു ലിഖിതം—ഇതായിരുന്നു ആ വസ്തു. ഹരപ്പയിൽനിന്നു കിട്ടിയ ഈ മുദ്രയെക്കുറിച്ച് 1875-ൽ, അന്ന് ഇന്ത്യയിലെ പുരാതത്ത്വവകുപ്പിന്റെ മേധാവിയായിരുന്ന അലക്സാണ്ടർ കന്നിംഗ്ഹാം റിപ്പോർട്ടുചെയ്യുകയുണ്ടായി. പിന്നീട് കഷ്ടിച്ച് അര നൂറ്റാണ്ടു കഴിഞ്ഞ് പുരാതത്ത്വവകുപ്പിലെ ദയാറാം സാഹ്നിയും ആർ. ഡി. ബാനർജിയും ഹരപ്പയിലും മോഹൻജൊദാരോവിലും നടത്തിയ ഉത്ഖനനങ്ങളിൽ മറ്റു വസ്തുക്കളോടൊപ്പം സമാനമായ നിരവധി മുദ്രകളും കൂടി പുറത്തുവന്നു. ഉത്ഖനനത്തിനു നേതൃത്വം നൽകിയ സർ ജോൺ മാർഷൽ സൈന്ധവപരിഷ്കൃതിയെക്കുറിച്ചുള്ള തന്റെ ബൃഹദ്ഗ്രന്ഥത്തിൽ ഹരപ്പൻപരിഷ്കൃതിയെക്കുറിച്ചും അതോടൊപ്പം സിന്ധുലിപിയെക്കുറിച്ചും എഴുതി. 1921-ൽ സിന്ധുനദീതടസംസ്കാരത്തിന്റെ അവശിഷ്ടങ്ങൾ പുറത്തുവന്നുതുടങ്ങിയതു മുതൽ ഇന്നോളം ആ വിഷയത്തിൽ നടന്നതും നടക്കുന്നതുമായ പഠനങ്ങൾ നിരവധിയാണ്. പക്ഷേ ചില അപവാദങ്ങളൊഴിച്ചാൽ, ഇത്തരം പഠനങ്ങളോരോന്നും ഒരുവിധത്തിലല്ലെങ്കിൽ മറ്റൊരുവിധത്തിൽ ആ പ്രാചീനപരിഷ്കൃതിയെക്കുറിച്ചുള്ള നമ്മുടെ അറിവിനു മുതൽക്കൂട്ടായിട്ടുണ്ട്. സിന്ധുനദീതടപരിഷ്കൃതിയുടെ ഒട്ടേറെ, ഏറ്റവും ദുരൂഹവും അക്കാരണത്താൽത്തന്നെ ഏറ്റവുമധികം ജനശ്രദ്ധ ആകർഷിച്ചതുമായ വിഷയം ആ പ്രാചീനാവശിഷ്ടങ്ങളിൽപ്പെട്ട കൽപലകകളും അവയിലെ ചിത്രങ്ങളും ലിപികളുമാണ്. അവയെക്കുറിച്ചുള്ള പ്രസിദ്ധീകരണങ്ങൾ ഇറങ്ങിത്തുടങ്ങിയ കാലത്തുതന്നെ സൈന്ധവലിപികളുടെ വായനയ്ക്കായി തുടങ്ങിയ യത്നം ഇന്നും തുടർന്നുപോരുന്നതാണ്. ആ അക്ഷരപ്പൂട്ട് തുറക്കാൻ ഇന്നോളം ആർക്കും കഴിഞ്ഞിട്ടില്ല.

5

2)

"ആചാരങ്ങൾ, സാമൂഹ്യവിവരങ്ങൾ, തൊഴിൽവൈദഗ്ദ്ധ്യം, യുദ്ധം, സമാധാനം, മതം, ശാസ്ത്രം, കല, സാങ്കേതിക പരിജ്ഞാനം: ഇവയുടെ വൈയക്തികവും സാമൂഹികവുമായ ഘടനാപ്രരൂപങ്ങളാണ് സംസ്കാരം."

എഡ്വേഡ് ബി. ടൈലറിന്റെ സംസ്കാരനിർവ്വചനം[1] ലളിതവും സമ്പൂർണ്ണവുമാണ്: "ജ്ഞാനവും വിശ്വാസവും കലയും ധർമ്മബോധവും സംസ്കാരത്തിന്റെ ചിഹ്നങ്ങളാണ്. സമൂഹത്തിലെ വ്യക്തി എന്ന നിലയിൽ മനുഷ്യൻ സമാർജ്ജിച്ചിട്ടുള്ള എല്ലാ കഴിവുകളും ശീലങ്ങളും സംസ്കാരത്തിന്റെ പരിധിയിൽപ്പെടും."

മുകളിൽ കൊടുത്ത നിർവ്വചനങ്ങളുടെയെല്ലാം സംയുക്തരൂപമാണ് "ഐഡിയാസ് ഓഫ് ഡിക്ഷ്നറി" എന്ന വൈജ്ഞാനികഗ്രന്ഥത്തിലെ സംസ്കാര[2]നിർവ്വചനം.

ജോയ് വാഴയിലിന്റെ കവിതകളുടെ ശരീരവും അന്തരിന്ദ്രിയങ്ങളും ആത്മാവും സംസ്കാരത്തിന്റെ നിർവ്വചിതമാനദണ്ഡങ്ങൾകൊണ്ടു പരിശോധിക്കുമ്പോൾ, രണ്ടു മുഖ്യഘടകങ്ങൾ ചേർന്ന കാവ്യാത്മകമായ ഏകത്വമാണ് അദ്ദേഹത്തിന്റെ കവിതയുടെ അപൂർവ്വ സൗന്ദര്യത്തിനു നിദാനമെന്നു കാണാം. അവ സത്യധർമ്മങ്ങളാണ്. അഹിംസയും ശാന്തിയും കാരുണ്യവും സ്നേഹവും സത്യധർമ്മങ്ങളുടെ കാവ്യലാവണ്യത്തിന് പശ്ചാത്തലഭംഗിയുടെ വർണ്ണസങ്കീർണ്ണത ചാർത്തുന്നു. സ്വകീയവും, സമാർജ്ജിതവുമായ അനുഭവങ്ങൾ വർണ്ണിക്കുമ്പോൾ ഒരിടത്തും അതിവൈകാരികതയുടെ അമിതമാദകത്വം പ്രത്യക്ഷപ്പെടുന്നില്ല. എന്നാൽ, മനുഷ്യന്റെ ചിത്തവൃത്തികളുടെ ബാഹ്യാഭ്യന്തരതലങ്ങളെ ശക്തമായി സ്പർശിച്ചുകൊണ്ടാണ് വിവിധഭാവങ്ങളിൽ നിന്ന് ഊറിക്കൂടി സംഭരിച്ച ഈ കാവ്യനിർഝരി അകലുഷമായി ഒഴുകുന്നത്.

3)

തിമിരം എന്നാൽ എന്ത്?

കണ്ണിന്റെ മുൻവശത്തുള്ള ലെൻസിന്റെ ശക്തി 40 വയസ്സുകഴിയുമ്പോൾ കുറഞ്ഞുതുടങ്ങും. അപ്പോൾ വെള്ളെഴുത്ത് എന്ന സ്ഥിതിയുണ്ടാകും. കണ്ണാടി ധരിച്ചാൽ കാഴ്ച ശരിയാകും. ക്രമേണ ലെൻസിന്റെ സുതാര്യത പിവർക്ക് കുറഞ്ഞുവരും. ലെൻസിന്റെ നിറം മങ്ങിവരും. ഈ അവസ്ഥയാണ് തിമിരം. അതായത് മുൻപ് പറഞ്ഞതുപോലെ ഇത് ഒരു ലഘുശസ്ത്രക്രിയ വഴി പരിഹരിക്കാം. അതുവഴി കാഴ്ച വീണ്ടുംകിട്ടും.

നേത്രപടല അന്ധത

കണ്ണിലെ നേത്രപടലത്തിനു എന്തെങ്കിലും ക്ഷതമേൽക്കുക, പോഷകാഹാരക്കുറവ് മുതലായ കാരണങ്ങളാൽ നേത്രപടല അന്ധത ഉണ്ടാകുന്നു. മരിച്ച ഒരാളിന്റെ കണ്ണിലെ നേത്രപടലം ശസ്ത്രക്രിയ വഴി വച്ചു പിടിപ്പിച്ച് ഈ അന്ധതമാറ്റാം. അതിലേക്ക് മരണശേഷം ഉപയോഗിക്കാൻ കണ്ണുകൾ ദാനം ചെയ്യാമെന്ന സമ്മതപത്രം ഒപ്പിട്ടു കൊടുക്കുന്നതിനെയാണ് നേത്രദാനം എന്നു പറയുന്നത്. മരണശേഷം ബന്ധുക്കൾക്കും ഒരാളിന്റെ കണ്ണുകൾ എടുക്കാൻ സമ്മതം നൽകാം. ആണ്ടിൽ 40,000 പുതിയ കേസുകൾ ഉണ്ടാകുമ്പോൾ ആകെ പ്രതിവർഷം കിട്ടുന്നത് 15,000 കണ്ണുകൾ മാത്രമാണ്. സാമൂഹ്യ ക്ഷേമതൽപരരായ ജനങ്ങൾ ശ്രദ്ധിക്കേണ്ട ഒരു കാര്യമാണിത്.

4)

(..... തീയതി ..... മണിക്കു മുമ്പ് പ്രസിദ്ധീകരിക്കാൻ പാടുള്ളതല്ല)

പ്രസ് നോട്ട്

വിഷയം : ഇന്ത്യയും ജപ്പാനും തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യബന്ധം

ഇന്ത്യാ ഗവണ്മെന്റും ജപ്പാൻ ഗവണ്മെന്റും തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യ ബന്ധം സുദൃഢമാക്കാൻ ഇന്ന് ജനുവരി, 2009, വൈകുന്നേരം മണിക്ക് ഇന്ത്യയുടെയും ജപ്പാന്റെയും മന്ത്രിമാർക്കിടയിൽ ന്യൂഡൽഹിയിൽ നടന്ന മീറ്റിംഗിൽ വച്ച് ഒരു ഒത്തുതീർപ്പിൽ ഒപ്പുവക്കുകയുണ്ടായി. അതനുസരിച്ച് ഇരു രാജ്യങ്ങൾ തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യം പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുവാൻ വേണ്ടി പരസ്പരം ഇറക്കുമതിവസ്തുക്കളിന്മേൽ ചുമത്തപ്പെടുന്ന നികുതികളുടെ വിഹിതം 35 ശതമാനം കുറയ്ക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു. ഇതിന്മൂലം വാണിജ്യ ബന്ധങ്ങൾ മെച്ചപ്പെടുന്നതോടൊപ്പം പരസ്പരം രാഷ്ട്രീയവും സാംസ്കാരികവുമായ ബന്ധങ്ങളും സുദൃഢമാകുമെന്ന് ഇരു രാജ്യങ്ങളുടെ ഗവണ്മെന്റുകളും വിശ്വസിക്കുന്നു.

വിഭാഗത്തിന്റെ പേര്

ന്യൂഡൽഹി, തീയതി

നമ്പർ

പ്രിൻസിപ്പൽ ഇൻഫർമേഷൻ ഓഫീസർ, പ്രസ് സൂചനാ ബ്യൂറോ, ഭാരത സർക്കാർ ന്യൂഡൽഹിക്ക് ഈ പ്രസ്നോട്ട് വ്യാപകമായ പ്രചരണത്തിനും പ്രസിദ്ധീകരണത്തിനും വേണ്ടി അയക്കപ്പെടുന്നു.

(ക. ഖ. ഗ.

ഡെപ്യൂട്ടി സെക്രട്ടറി

ഭാരതസർക്കാർ

5)

ഇന്നലെവരെ
നിന്നൊപ്പതിതെ
വസനത്തിൽ നിന്ന്
മുക്തി നേടുക
പരുഷതയുടെ,
ക്രൗര്യത്തിന്റെ,
പ്രചണ്ഡതയുടെ
മൂടുപടത്തിൽ നിന്ന്
കൂടുവിട്ട് കൂടുമാറുക-
ആർദ്രതയിലേക്ക്,
കരുണയിലേക്ക്,
വിലോലതയുടെ
ശുഭ്രതയിലേക്ക്
ചന്ദ്രവിളക്കിന്റെ
ആലക്തികത
രൂപാന്തരത്താലത്ത
പൂർണ്ണതയോടടുപ്പിക്കും
അമ്പുതിരിയിൽ
നിന്റെ പരുഷത
കരിഞ്ഞൊടുങ്ങുമെങ്കിൽ,
ദയ നാളമായി
തെളിഞ്ഞുയരുമെങ്കിൽ.
* ഈ മഹിയുടെ
മോഹം വെടിയൽ.
നിനച്ചതെല്ലാം
നിനക്കുമേടാം ,
ഈ മായാവസനത്തിലൂടെ.
ആഗ്രഹം
നിന്നെത്തേടി എത്തുക തന്നെ ചെയ്യും.
വിജൃംഭിതമായ ക്രൗര്യം
പത്തിതാഴ്ത്തി പിന്മടങ്ങുമെങ്കിൽ
ദസ്യുണതയുടെ, താരളതയുടെ
ആർദ്രമായ ഈ മൂടുപടം
നീ ഒരിക്കലും അഴിയ്ക്കുകയേ ചെയ്യാതിരിക്കുമെങ്കിൽ

പരമദാന

മറ്റു കലകളിൽനിന്ന് സൃഷ്ടിയിലും ആവിഷ്കാരത്തിലും വ്യത്യസ്തമാണ് സാഹിത്യം, വിശേഷിച്ച് കവിത. കാരണങ്ങൾ പലതാണ്. അവയിൽ പ്രധാനം മാധ്യമത്തിന്റെ സവിശേഷതയാണ്. സാഹിത്യത്തിന്റെ മാധ്യമം ജ്ഞാനത്തിന്റെയും മറ്റു പരവിജ്ഞാനങ്ങളുടെയും മാധ്യമം കൂടിയാണ്. സംഗീതം, ചിത്രകല, ശില്പകല, കൊത്തുപണി തുടങ്ങിയവയുടെ മാധ്യമങ്ങൾക്ക് രണ്ടിൽക്കൂടുതൽ വിനിയോഗങ്ങളില്ല. സാഹിത്യത്തിന്റെ മാധ്യമമായ ഭാഷയുടെ വിനിയോഗവൈവിധ്യം ജ്ഞാനവിജ്ഞാനങ്ങളുടെ വൈവിധ്യത്തിനു സമമാണ്. അതിനാൽ, സാഹിത്യത്തിൽ ജീവിതാനുഭവങ്ങളുടെ ഭാവനാത്മകമായ ആവിഷ്കാരം മുതൽ സമസ്തജ്ഞാനവിജ്ഞാനങ്ങളുടെയും സൂക്ഷ്മാവതരണം വരെ കടന്നുവരും. ചരിത്രാതീതകാലം മുതൽ ഇന്നുവരെ മനുഷ്യൻ സമാർജ്ജിച്ചിട്ടുള്ള സംസ്കാരം മുഴുവൻ സാഹിത്യ(കാവ്യ)ത്തിൽ അറിഞ്ഞും അറിയാതെയും ആവിർഭവിക്കും. കലയും ശാസ്ത്രവും ജ്ഞാനവും ദർശനവും മതവും രമ്യമായി സംയോജിച്ച, അവിഭക്തമായ ഏകാത്മകജൈവരൂപമാണ് കവിത. കവിതയുടെ പഠനം, അതുകൊണ്ട്, സംസ്കാരത്തിന്റെ പഠനം കൂടിയാണ്. ഇവിടെ സംസ്കാരത്തിന്റെ വ്യാപ്തിയെ സംബന്ധിക്കുന്ന ആധുനിക നിർവ്വചനം പരിശോധിച്ചുനോക്കാം.

അനേകം വൈജ്ഞാനികരംഗങ്ങളിൽ വിവിധ അർത്ഥങ്ങളിൽ പ്രയോഗിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന ഒരു സംജ്ഞയാണ് സംസ്കാരം. ഒരു രാഷ്ട്രത്തിന്റെയും ഒരു ജനതയുടെയും ചരിത്രത്തിലെ സ്ഥാനം നിർണ്ണയിക്കുന്നത് അതാതിന്റെ സംസ്കാരമാണ്.

7)

ലോകത്തു മിക്ക വൻകരകളിലും ഇത്തരം വരകളുണ്ട്. പാറമേൽ ഉരച്ചു വരച്ചവയുണ്ട്, ചായംകൊണ്ട് വരച്ചവയുമുണ്ട്. നിറങ്ങൾ കറുപ്പ്, ചുവപ്പ്, തവിട്ട്, മഞ്ഞ എന്നിവയാണ്. കരിയും പാറപ്പൊടിയും മണ്ണുമൊക്കെത്തന്നെയാവണം ഇന്നെന്നപോലെ പഴയകാലത്തും പ്രാകൃതക്കൂട്ടായ്മകൾ നിറമുണ്ടാക്കാനുപയോഗിച്ചത്. ചിത്രങ്ങളുള്ള ചില പാറപ്പൊത്തുകളിൽ ചെറിയ കുഴിക്കല്ലുകളും അവയിൽ മൃഗക്കൊഴുപ്പിന്റെ അംശങ്ങളും കണ്ടെത്തി. ഗുഹാവാസികൾ വെളിച്ചത്തിന്നായി കൽവിളക്കുകൾ ഉപയോഗിച്ചതിന്റെ വ്യക്തമായ സൂചനയാണിത്.

എഴുത്തിന്റെ ആരംഭം ചിത്രങ്ങളുടെ രൂപത്തിലാണെന്ന് പരക്കെ അറിയാം. എന്നാൽ ചിത്രങ്ങൾ എങ്ങനെ എന്ന ചോദ്യമുണ്ട്. അൾട്ടാമിറ ഗുഹയിലെ ചിത്രങ്ങളുടെ കാര്യം സൂചിപ്പിച്ചു. എല്ലാവർക്കും കഴിയുന്ന പണിയല്ലത്. ആശയവിനിമയം കലാവൈഭവമുള്ളവർക്കുമാത്രം പോരല്ലോ. അങ്ങനെ വരുമ്പോൾ ചിത്രത്തിന് സൗന്ദര്യത്തെക്കാൾ ആവശ്യം വസ്തുവിന്റെ ബോധമുണ്ടാക്കുകയാണ്. അതിനാൽ വരകളും കുറികളും കുറഞ്ഞിരിക്കണം. മരത്തെക്കുറിച്ചാണ് പറയേണ്ടതെങ്കിൽ ഇലകളും കൊമ്പുകളും ചില്ലകളും പൂക്കളും കായ്കളും എല്ലാം വരച്ചൊപ്പിക്കുക ഏതാണ്ടസാധ്യംതന്നെയാണ്. അപ്പോൾ ഒരുതരം ശൈലീകരണം വേണ്ടിവരുന്നു. ശൈലീകരണം വരുന്നതോടെ അല്പാല്പം സാങ്കേതികതയും വന്നുചേരും. ഇപ്പറഞ്ഞ കാര്യങ്ങളോരോന്നും ക്രമത്തിൽ ഒന്നിനു പുറകെ ഒന്നായി പറഞ്ഞതുപോലെയൊന്നുമല്ല സംഭവിക്കുക. ചിത്രം രൂപപ്പെടുന്ന മുറയ്ക്ക് പല ഘട്ടങ്ങളും വേർതിരിച്ചറിയാനാവാത്തവിധം കൂടിപ്പിണഞ്ഞുപോകാം. ചിത്രങ്ങളിൽ പഴക്കമേറിയവതന്നെ പരിണാമത്തിന്റെ ചില പടവുകൾ താണ്ടിക്കഴിഞ്ഞതായിക്കാണാം. ചിത്രത്തിൽ അക്ഷരങ്ങളല്ല, വാക്കുകളാണ് എഴുതുന്നത്. മരം എന്ന വാക്കാണ് 'മ' - 'രം' - എന്നീ അക്ഷരങ്ങളല്ല വരയ്ക്കുക എന്നർത്ഥം.

7. निम्नलिखित अनुच्छेद को मलयालम में अनुवाद कीजिए। 10

अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत का एक ऐसा राज्य है, जहाँ बोलियां और भाषाएं तो अनेक हैं किंतु उनकी कोई अपनी लिपि नहीं है। इन छोटी-छोटी भाषाओं की संख्या 60 से भी अधिक है। और सब के बीच आपसी संपर्क की भाषा सामान्यत हिंदी ही है क्योंकि वे एक दूसरे की बोली को नहीं समझ पाते। विडंबना यह है कि सरकारी तौर पर यहां की सरकारी भाषा अंग्रेजी है, इसीलिए इन बोलियों को भी रोमन में लिखने का प्रयास किया जाता रहा है, जो स्वाभाविक नहीं है। क्योंकि इनकी बोलियों की सभी ध्वनियां रोमन लिपि में नहीं है। नागरी लिपि ही विश्व की एक ऐसी लिपि है, जो सर्वाधिक वैज्ञानिक और ध्वन्यात्मक है। इसी लिपि के द्वारा इन बोलियों को जीवित रखते हुए इसके साहित्य को सुरक्षित रखा जा सकता है, इससे इनका समुचित विकास भी किया जा सकता है। स्वाभाविक है कि लिपि विहीन होने के कारण ये भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं। यहां केवल खामती और मोनपा ही बोलियाँ ही लिपियों का प्रयोग करती हैं। इसीलिए इन बोलियों और भाषाओं को जीवित रखने के लिए नागरी लिपि परिषद निरन्तर प्रयत्नशील है।